

Date	Edition	Publication	Page no.
27 th August 2014	Ahmedabad	Herald Youngleader	11

इंडिया इलेक्ट्स - 2014 का विमोचन वृ आम चुनाव, 2014 की दिलचस्प झलकियों और जानकारी के साथ भारत के चुनाव संबंधी सबसे विशाल तथ्यों पर आधारित पुस्तक

नई दिल्ली, 26 अगस्त: मसमबजपवदेपदपदकपण्ववउ वृ भारत का अग्रणी पोर्टल, जो चुनाव संबंधी जानकारियों और विश्लेषण का प्रसार करता है। उसने आज कान्स्टीट्यूशन क्लब, नई दिल्ली में अपनी पुस्तक 'इंडिया इलेक्ट्स-2014, भारत के आम चुनाव: 2009-2014 के नतीजों का तुलनात्मक विश्लेषण को जारी किया। पुस्तक का विमोचन भारत के पूर्व चुनाव आयुक्त डॉ एस वाई कुरैशी ने किया। प्रसिद्ध चुनाव विश्लेषक, डॉ प्रणय राय, कार्यकारी अध्यक्ष, एनडीटीवी लिमिटेड द्वारा इस पुस्तक की प्रस्तावना लिखी गई है और डॉ आर के ठुकराल, निदेशक, डाटानेट इंडिया प्रा. लि. ने इसकी भूमिका लिखी है।

प्रस्तावना में बताया गया है कि भारत के पास दुनिया की सबसे उन्नत इलेक्ट्रॉनिक मतदान प्रणाली है, साथ ही यह अफ़सोस भी जताया गया है कि अभी तक इसके चुनावों पर बहुत

कम मौलिक अनुसंधान हुआ है, यही कारण है कि 'इंडिया इलेक्ट्स-2014 बेहद महत्वपूर्ण है। विस्तृत डाटा से भरपूर यह पुस्तक 7 अप्रैल और 12 मई, 2014 के बीच पूरे भारत में हुए आम चुनावों के नतीजों का विश्लेषण करती है। यह भारत के इतिहास में सबसे लंबे चुनाव और दुनिया में सबसे बड़ा वोटिंग इवेंट था, जिसमें अमेरिका के 193.6 मिलियन और यूके के 45.5 मिलियन मतदाताओं की तुलना में 814 मिलियन मतदाताओं ने भाग लिया। भारत में पहली बार ऐसा हुआ है कि कांग्रेस से इतर किसी दूसरी पार्टी को स्पष्ट बहुमत प्राप्त हुआ है। भूमिका में उल्लेख किया गया है कि 30 से अधिक देशों के 140 से अधिक विजिटर्स ने पहली बार शानदार चुनाव प्रणाली को देखा जो कई देशों के लिए एक आदर्श चुनाव प्रणाली के रूप में अपना लेना लायक है।

डाटानेट इंडिया के निदेशक डॉ.

आर के ठुकराल ने इसकी कुछ विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि "इस पुस्तक में मजदूर जानकारियों और तथ्यों को उजागर करने के लिए 205 नक्शों, 235 से अधिक रेखाचित्रों और असंख्य आंकड़ों की सहायता से 2009 और 2014 के आम चुनावों का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत के मतदाताओं की संख्या अमेरिका और पश्चिमी यूरोप की संयुक्त आबादी से भी अधिक है। भौगोलिक क्षेत्र के हिसाब से भारत का सबसे बड़ा निर्वाचन क्षेत्र लद्दाख है, जिसका क्षेत्रफल (172,374 वर्ग किलोमीटर) कई संप्रभु राष्ट्रों जैसे बांग्लादेश, नेपाल और उत्तर कोरिया के क्षेत्रफल से अधिक है। पहली बार, भारत के मतदाताओं को छव्ज (उपरोक्त में से कोई नहीं) बटन का इस्तेमाल करके सभी उम्मीदवारों को रिजेक्ट करने का विकल्प दिया गया था।"